A–608

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MAJY–607

ज्योतिषशास्त्रीय विविध योग एवं दशाफल विचार–02

MA JYOTISH (MAJY)

4th Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. आचार्य वेंकटेश द्वारा प्रतिपादित सूर्य महादशा का फल लिखिए।
2. फलदीपिका ग्रन्थ के अनुसार सूर्यादि ग्रहों के अन्तर्दशा फल का लेखन कीजिए।

3. सुक्ष्मानतर्दशा से क्या तात्पर्य हैं ? तत्सम्बन्धित किसी एक ग्रन्थानुसार फल लिखिए।

4. पंचमहाभूत फल विचार का वर्णन कीजिए।

5. वशिष्ठ संहिता के आधार पर शकुन के शुभाशुभ फल का प्रतिपादन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. स्वप्न कितने प्रकार के होते हैं ? स्पष्ट रूप से लिखिए।

2. शकुन से क्या तात्पर्य है ?

3. गुरु एवं शुक्र ग्रहदशा का फल लेखन कीजिए।

4. फलदीपिका के अनुसार राहु एवं केतु दशा फल का विवेचन कीजिए।

5. पंचमहापुरूष के लक्षण का वर्णन कीजिए।

6. उत्तम, मध्यम एवं अधम पुरूषों का वर्णन करते हुए उनका फल लिखिए।

7. नारी के पादतल, केश, हस्त, उद एवं कुक्ष का फल लिखिए।

8. मत्स्य पुराण में उद्धृत शुभाशुभ स्वप्न फल का वर्णन कीजिए।

****